This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No. .....

आपका अनुक्रमांक .....

7362

M.A. / II A

SANSKRIT – Course 15 (Group B)

(Darśana)

Time : 2 Hours **Maximum Marks : 50**

समय : 2 घण्टे **पूर्णांक : 50**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेज़ी किसी एक भाषा में दीजिए ।

Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English.

नोट : प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक एम.ए. संस्कृत परीक्षा के वर्ग 'ब' (स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग एवं नॉन-फॉर्मल सैल आदि) के परीक्षार्थियों के लिए मान्य हैं । वर्ग 'अ' (नियमित पूर्व-विद्यार्थियों) के लिए इन अंकों का समानुपातिक पुनर्निर्धारण परीक्षा-फल तैयार करते समय किया जाएगा ।

1. निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं **तीन** सूत्रों की शाङ्करभाष्यानुसार व्याख्या कीजिए : $3 \times 6 = 18$

Explain any **three** सूत्रs of the following according to शाङ्करभाष्य :

(क) असदिति चेन्न, प्रतिषेधमात्रत्वात् ।

(ख) भोक्त्रापत्तेरविभागश्चेल्लोकवत् ।

(ग) कृत्स्नप्रसक्तिर्निरवयवत्वशब्दकोपो वा ।

(घ) वैषम्यनैर्घृण्ये न, सापेक्षत्वात्तथा हि दर्शयति ।

(ङ) रचनानुपपत्तेश्च नानुमानम् ।

2. किसी **एक** सूत्र की **संस्कृत** में व्याख्या कीजिए : **6**

Explain any **one** सूत्र in **Sanskrit** :

(क) भावे चोपलब्धेः ।

(ख) महद्दीर्घवद्वा ह्रस्वपरिमण्डलाभ्याम् ।

3. किसी **एक** की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए : **10**

Explain, with reference to the context, any **one** of the following :

(क) अपि च सम्यग्ज्ञानान्मोक्ष इति सर्वेषां मोक्षवादिनामभ्युगमः । तच्च सम्यग्ज्ञानमेकरूपम्, वस्तुतन्त्रत्वात् । एकरूपेण ह्यवस्थितो योऽर्थः स परमार्थः, लोके तद्विषयं ज्ञानं सम्यग्ज्ञानमित्युच्यते ।

(ख) न चेयमवगतिरनर्थिका भ्रान्तिर्वेति शक्यं वक्तुम्, अविद्यानिवृत्तिफलदर्शनात्; बाधकज्ञानान्तराभावाच्च । प्राक् चात्मैकत्वावगतेरव्याहतः सर्वः सत्यानृतव्यवहारो लौकिको वैदिकश्च ।

4. किन्हीं **दो** विषयों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : $2 \times 8 = 16$

Write short notes on any **two** of the following :

(क) सांख्यसिद्धान्त में विप्रतिषेध ।

(ख) ईश्वर में वैषम्य-नैर्घृण्यदोष का उपपादन और निराकरण ।

(ग) परमाणुकारणतावाद में अनुपपत्ति ।

(घ) 'लोकवत्तु लीलाकैवल्यम्' का अभिप्राय ।